Title of course- रेडियो के लिए लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	
Nodal Department of HEI to run course	
Broad Area/Sector-	मीडिया
Sub Sector-	जनसंचार माध्यम
Nature of course - Independent / Progressive	Independent
Name of suggestive Sector Skill Council	मीडिया
Aliened NSQF level	Level 3
Expected fees of the course –Free/Paid	
Stipend to student expected from industry	
Number of Seats-…….	
Course Code-……..	Credits- 03 (1 Theory, 2 Practical)
Max Marks…100…… Minimum Marks……	
Name of proposed skill Partner (Please specify, Name of industry, company etc for Practical /training/ internship/OJT	आकाशवाणी, निजी एफ.एम. चैनल
Job prospects-Expected Fields of Occupation where student will be able to get job after completing this course in (Please specify name/type of industry, company etc.)	वार्ताकार, रेडियो के लिए समाचारवाचक, कार्यक्रम प्रस्तोता, विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सृजनात्मक लेखन (स्क्रिप्ट), कार्यक्रम उद्घोषक, रेडियो जौकी, कंपेयरर, रिकॉर्डिंग एवं संयोजन

Syllabus

unit	Topics	General/ Skill component	Theory/ Practical/ OJT/ Internship/ Training	No of theory hours (Total-15 Hours=1 credits)	No of skill Hours (Total-60 Hours=2 credits)
I	जनसंचार माध्यम और रेडियो	▪ रेडियो प्रसारण का इतिहास ▪ रेडियो की विशेषताएं ▪ रेडियो का महत्व एवं प्रभाव ▪ रेडियो : श्रोता समुदाय	▪ विद्यार्थी विभिन्न समुदायों पर केंद्रित आकाशवाणी कार्यक्रम सुनेंगे एवं समीक्षा करेंगे।सुने हुए कार्यक्रम में संशोधन एवं नवीनकरण हेतु सुझाव देंगे (वे क्या नया जोड़ सकते हैं)। ▪ टेलिविज़न देखने एवं रेडियो सुनने में क्या अंतर है? ▪ कार्यक्रम सुनेंगे एवं रेडियो द्वारा विकसित कल्पना शक्ति का	**03**	**10**

			अनुभव करेंगे।		
II	आकाशवाणी (All India Radio) और निजी क्षेत्र में रेडियो	▪ आकाशवाणी रेडियो ▪ आकाशवाणी का प्रसारण क्षेत्र ▪ आकाशवाणी : एफएम और सामुदायिक रेडियो ▪ निजी क्षेत्र में एफएम चैनल ▪ आकाशवाणी : विषयवस्तु एवं भाषा निजी एफएम चैनल : विषयवस्तु एवं भाषा	▪ विद्यार्थी आकाशवाणी तथा निजी एफ.एम. चैनल के कार्यक्रम सुनेंगे तथा जानेंगे कि आकाशवाणी तथा निजी एफ.एम. चैनल की भाषा में क्या अंतर है? ▪ दोनों के उद्देश्य तथा लक्ष्य समूह में क्या अंतर है? ▪ ग्रामीण तथा शहरी युवाओं की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की दृष्टि से वे किसे बेहतर मानते हैं और क्यों ?	**04**	**12**
III	रेडियो कार्यक्रमों के लिए लेखन	▪ रेडियो लेखन की विशेषताएं एवं नियम ▪ रेडियो लेखन की भाषा ▪ समाचार के लिए लेखन ▪ वार्ता के लिए लेखन ▪ परिचर्चा के लिए लेखन ▪ साक्षात्कार के लिए लेखन ▪ रेडियो पत्रिका के लिए लेखन ▪ आँखों देखा हाल (कमेंट्री) के लिए लेखन ▪ नाटक के लिए लेखन ▪ रेडियो रूपक के लिए लेखन ▪ धारावाहिक के लिए लेखन ▪ विज्ञापन के लिए लेखन	▪ आकाशवाणी तथा निजी एफ.एम. चैनल के रेडियो लेखन एवं भाव संप्रेषण के लिए अपनी भाषा का नमूना प्रस्तुत करेंगे। ▪ विधा एवं श्रोता समुदाय पर केंद्रित रेडियो लेखन की कार्यशाला का आयोजन ▪ एक ही विषय पर विभिन्न विधाओं में कार्यक्रम हेतु रेडियो लेखन का प्रायोगिक अध्ययन करेंगे ▪ अपनी रुचि की विभिन्न विधाओं पर लेखन करेंगे। ▪ रेडियो केंद्रों पर प्रायोगिक कार्य	**08**	**38**

			▪ आकाशवाणी तथा निजी एफ.एम. चैनल के रेडियो लेखन एवं भाव संप्रेषण के लिए अपनी भाषा का नमूना प्रस्तुत करेंगे। ▪ विधा एवं श्रोता समुदाय पर केंद्रित रेडियो लेखन की कार्यशाला का आयोजन ▪ एक ही विषय पर विभिन्न विधाओं में कार्यक्रम हेतु रेडियो लेखन का प्रायोगिक अध्ययन करेंगे ▪ अपनी रुचि की विभिन्न विधाओं पर लेखन करेंगे। ▪ रेडियो केंद्रों पर प्रायोगिक कार्य		
IV					
V					
VI					

Suggested Readings:

1. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जबवरीमल पारख, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली, 2010
2. भाषा और संवेदना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
3. जनसंचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली, 2010
4. हिंदी में जनसंचार, केवल जयकुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस, मुंबई 2017
5. जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
6. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रकाशन विभाग, 2004
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
8. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
9 .विज्ञापन और जनसंपर्क जय श्री जेठवानी सागर प्रकाशन नई दिल्ली 2000
10.भारतीय मीडिया व्यवसाय वनिता कोहली खंडेकर भाषा प्रकाशन नई दिल्ली 2017
11. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम, वेद प्रकाश वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
12 .सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र रविंद्र शुक्ला राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली 2005
13. समाचार संकलन और लेखन नंदकिशोर त्रिखा हिंदी समिति उत्तर प्रदेश 1974
14. आकाशवाणी और दूरदर्शन उद्भव तथा विकास, डॉ. ओम प्रकाश जमलोकी अरावली बुक्स इंटरनेशनल,2002

15. Radio Program Production a manual for Training, Richard Aspinall , UNESCO Paris 1973
Suggested Digital platforms/ web links for reading-
Suggested OJT/ Internship/ Training/ Skill partner
Suggested Continuous Evaluation Methods:
Course Pre-requisites: • No pre-requisite required, open to all • To study this course, a student must have the subject ……**हिंदी** .. in class/12th/ certificate/diplomaवाक कौशल तथा सृजनात्मक लेखन में रुचि रखने वाले विद्यार्थी • If progressive, to study this course a student must have passed previous courses of this series.
Suggested equivalent online courses:
Any remarks/ suggestions:
Notes: • Number of units in Theory/Practical may vary as per need • Total credits/semester-3 (it can be more credits, but students will get only 3credit/ semester or 6credits/ year • Credits for Theory =01 (Teaching Hours = 15) • Credits for Internship/OJT/Training/Practical = 02 (Training Hours = 60)